Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Retrieval from Long Term Memory

LTM की संचयन क्षमता असीमित होती है तथा इसमें असीमित अवधि के लिए व्यक्ति सूचनाओं को संचित करके रख पाता है। LTM में संचित सूचनाओं को जब हम recall करना चाह रहे हैं और नहीं कर पाते हैं, अर्थात मस्तिष्क में है परन्तु जीभ के नोक पर नहीं आ रहा है तो मनोवैज्ञानिकों ने इसे Tip of the ~~tounge~~ Tongue or TOT Phenomenon कहा है। बाद में इस तरह की सूचनायें अपने आप बिना किसी प्रयास के recall कर लिये जाते हैं। इस तरह की क्रियाओं का अवाव Retrieval process है।

Brown के अनुसार, LTM से Retrieval की दो मुख्य प्रक्रियाएं हैं — Recall and Recognition.

Recall में व्यक्ति को मौलिक सूचनाओं की अनुपस्थिति में ही उन्हें वर्तमान चेतना में लाना होता है।

Recognition में मौलिक उद्दीपक या सूचनाओं को अन्य उद्दीपक या सूचनाओं से मिलाकर व्यक्ति के

Scanned with CamScanner

सामने उपस्थित किया जाता है और उसे मात्र इस बात की पहचान करनी होती है कि वह पहले इनमे से किसी उद्दीपकों या सूचनाओं से परिचित है।

LTM से Retrieval की प्रक्रिया निम्नांकित कारकों से प्रभावित होती पायी गयी है:—

1 सामग्रियों में संगठन (organization in materials) —

जब व्यक्ति के LTM में organized materials संचित होते हैं, तो उनका Retrieval उस परिस्थिति की तुलना में अधिक आसान हो जाता है जब LTM में संचित सामग्रियां असंगठित एवं असम्बन्धित होती हैं। इस तथ्य की प्रयोगात्मक संपुष्टि Bower एवं उनके सहयोगियों के प्रयोग से हुयी है

2 पुनः प्राप्ति संकेत (Retrieval cues) LTM से पुनः प्राप्ति पर उन संकेतों का भी प्रभाव पड़ता है जो सीखे गये था LTM में संचित सामग्रियों से संबंधित होते हैं। ऐसे संकेतों को Retrieval cues कहा जाता है। ऐसे संकेतों की उपस्थिति

से LTM से पुनः प्राप्ति आसान ही हो जाती है। ऐसे संकेत environment के पहलू- जैसे कोई जगह, दृश्य, आवाज या गंध- आदि हो सकते हैं या फिर व्यक्ति के आन्तरिक शारीरिक अवस्था से भी सम्बन्धित हो सकते हैं। पहले तरह के संकेतों को Context-dependent retrieval cue तथा दूसरे तरह के संकेत को State-dependent retrieval cue कहा जाता है।

Context dependent memory ~~ret retrieval cue~~ से तात्पर्य इस बात से होता है कि जो सामग्री किसी एक वातावरण या संदर्भ में सीखा गया होता है, उसे किसी दूसरे संदर्भ या वातावरण में recall करना मुश्किल होता है परन्तु समान वातावरण या संदर्भ में recall करना आसान होता है। Goden & Baddeley ने एक महत्वपूर्ण अध्ययन Sea divers पर करके contex dependent memory को दिखलाया है।

Scanned with CamScanner